दिनांक-29.3.2022

प्रेस विज्ञप्ति

रेलटेल, पुराने मैकेनिकल सिगनलिंग सिस्टम को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में परिवर्तित करने के लिए उत्तर रेलवे (NR) जोन पर 224 करोड़ रुपये की आधुनिक सिगनलिंग परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। इसमें 26 स्टेशन शामिल हैं- जिनमें से 3 दिल्ली डिवीजन में, 9 अंबाला डिवीजन में और 14 के फिरोजपुर डिवीजन में हैं।

यह आधुनिक टैक्नोलॉजी ट्रेन ऑपरेशन की संरक्षा और दक्षता को बढ़ाएगी।

6 स्टेशनों पर कार्य पहले ही पूर्ण हो चुका है तथा उन्हें चालू कर दिया गया है - इनमें दिल्ली मंडल के 3 स्टेशन और अंबाला मंडल के 3 स्टेशन हैं और अंबाला मंडल के बकाया 6 स्टेशनों पर कार्य पूरा होने के अंतिम चरण में है। फिरोजपुर मंडल के 14 स्टेशनों पर कार्यान्वयन का पहला चरण अर्थात् योजना, डिजाइन और उपस्करों की खरीद प्रक्रिया की शुरुआत की जा चुकी है।

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिगनलिंग सिस्टम स्टेशन मास्टर को अपने कार्यालय में उपलब्ध कराए गए कंप्यूटर (VDU)) पर सिगनल क्लीयरेंस और रूट सेट करने जैसी ट्रेनों के संचलन के लिए सभी कार्यों को एक माउस के क्लिक से करने में सक्षम करेगा और स्टेशन यार्ड में चलने वाली ट्रेन का लाइव दृश्य प्रदर्शित करेगा।

पुराने सिस्टम में वर्तमान में 50 किमी प्रति घंटे से भी कम गति से चलने वाली ट्रेनों को नए सिस्टम में 110 किमी प्रति घंटे की उच्च गति से चलाने की भी सुविधा होगी।
रेलटेल इस प्रणाली को बदलने की एक्सर्साइज़ में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है: श्री पुनीत चावला, सीएमडी, रेलटेल।

****

रेलटेल (रेल मंत्रालय का एक मिनी रत्न केंद्र सरकार का सार्वजनिक उपक्रम) पुराने मैकेनिकल सिगनलिंग सिस्टम को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में परिवर्तित करने के लिए उत्तर रेलवे (NR) जोन पर 224 करोड़ रुपये की आधुनिक सिगनलिंग परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। इसमें 26 स्टेशन शामिल हैं- जिनमें से 3 दिल्ली डिवीजन में, 9 अंबाला डिवीजन में और 14 के फिरोजपुर डिवीजन में हैं। यह आधुनिक टैक्नोलॉजी ट्रेन ऑपरेशन की संरक्षा और दक्षता को बढ़ाएगी।

स्टेशनों का मंडलवार विवरण इस प्रकार है:

क. दिल्ली मंडल में 3 स्टेशन हैं जो कुरूक्षेत्र-नरवाना सेक्शन पर हैं। इनके नाम हैं- पेहोवा रोड (PHWR), कैथल(KLE) और कलायत(KIY) हैं, ये सभी हरियाणा के कैथल जिले में हैं। यह सेक्शन एक छोर पर दिल्ली-रोहतक-जींद-बटिंठा मेन लाइन सेक्शन से नरवाना पर मिलता

है और दूसरे छोर पर यह सेक्शन दिल्ली – पानीपत – अंबाला कैंट – चंडीगढ़ मेन सेक्शन से कुरूक्षेत्र पर मिलता है।

ख. अंबाला मंडल के 9 स्टेशन:

(i) इसमें से, 7 स्टेशन बठिंडा - श्रीगंगानगर सेक्शन पर हैं। यह खंड श्री गंगानगर-बटिंडा-राजपुरा सेक्शन का भाग है जो राजपुरा में मुरादाबाद-सहारनपुर-अंबाला-लुधियाना मेन लाइन सेक्शन से जुड़ता है। इन 7 स्टेशनों के नाम हैं- बल्लूआना (BHX) (जिला: बठिंडा), गिद् दडबाहा (GDB) (जिला: श्री मुक्तसर साहिब), मलोट(MOT) (जिला: श्री मुक्तसर साहिब), पक्की(PKK) (जिला: श्री मुक्तसर साहिब), पंजकोसी(PJK) (जिला: फाजिल्का)ये सभी पंजाब राज्य में और हिन्दूमलकोट (HMK) (जिला: श्री गंगानगर) और फतूही(FTH) (जिला: श्री गंगानगर) ये दोनों स्टेशन राजस्थान राज्य में।

(ii) अंबाला मंडल के शेष 2 स्टेशन सरहिंद-अम्ब अंदौरा सेक्शन पर हैं। यह सेक्शन सरहिंद में मुरादाबाद-सहारनपुर-अंबाला-लुधियाना मुख्य लाइन खंड से भी जुड़ता है। इन दो स्टेशनों के नाम हैं- आनंदपुर साहिब(ANSB) और नंगल डैम(NLDM) ये दोनों स्टेशन पंजाब के रूपनगर जिले में हैं।

ग. फिरोजपुर मंडल के 14 रेलवे स्टेशन(सभी पंजाब में)

(i) फिरोजपुर मंडल के 10 रेलवे स्टेशन अमृतसर-पठानकोट सेक्शन पर हैं। इनके नाम हैं- वेरका(VKA), कत्थूनंगल(KNG), जयंतीपुरा(JNT)तीनों अमृतसर जिले में; बटाला(BAT), छीना(CHN), धारीवाल(DHW), गुरदासपुर(GSP) दीना नगर(DNN) पाँचों गुरदासपुर जिले में; झाकोलारी(JK), सरना(SRM) दोनों पठानकोट जिले में। यह सेक्शन जालंधर-जम्मू लाइन के लिए डाइवर्शन या दूसरा रूट उपलब्ध कराता है। इस लाइन का सामरिक महत्व भी है।

(ii) फिरोजपुर मंडल के अन्य शेष 4 स्टेशन लोहियां खास-फिल्लौर सेक्शन पर हैं, जिनके नाम हैं मालसियां शाहकोट(MQS), नकोदर(NRO), नूरमहल(NRM), बिलगा(BZG) चारों जालंधर जिले में। यह सेक्शन भी फिल्लौर में मुरादाबाद-सहारनपुर-अंबाला-लुधियाना-जालंधर मुख्य लाइन सेक्शन से जुड़ जाता है।

दिल्ली मंडल के 3 स्टेशनों (पेहोवा रोड, कैथल एवं कलायत) और अंबाला मंडल के 3 स्टेशनों (बल्लूआना, मलोट एवं पक्की) में अर्थात् 6 स्टेशनों पर कार्य पूर्ण हो चुका है और अंबाला मंडल के शेष 6 स्टेशनों पर कार्य पूरा होने के अग्रिम चरण में है। फिरोजपुर मंडल के 14 स्टेशनों पर कार्यान्वयन का पहला चरण अर्थात् योजना, डिजाइन और उपस्करों की खरीद प्रक्रिया की शुरुआत की जा चुकी है।

अब तक, 65 करोड़ रु. का राजस्व पहले ही बुक किया जा चुका है और वित्त वर्ष 22-23 में 105 करोड़ रु. का राजस्व बुक किया जाएगा और शेष वित्त वर्ष 23-24 में बुक किया जाएगा।

इस आधुनिकीकरण परियोजना के अंतर्गत, मौजूदा पुराने मैकेनिकल सिगनलिंग सिस्टम को नए आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिगनलिंग सिस्टम द्वारा बदला जा रहा है। सिस्टम के इस बदलाव से संरक्षा एवं परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। इसके अलावा, वर्तमान में 50 किमी प्रति घंटे से भी कम गति से चलने वाली ट्रेनों को नई प्रणाली से 110 किमी प्रति घंटे की उच्च गति से चलाने की भी सुविधा होगी।

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिगनलिंग सिस्टम स्टेशन मास्टर को अपने कार्यालय में उपलब्ध कराए गए कंप्यूटर(VDU) सिगनल क्लीयरेंस और रूट सेट करने जैसी ट्रेनों के संचलन के लिए सभी कार्यों को एक माउस के क्लिक से करने में सक्षम करेगा और स्टेशन यार्ड में चलने वाली ट्रेन का लाइव दृश्य प्रदर्शित करेगा। यह प्रणाली लास्ट व्हीकल क्लीयरेंस के स्वचालित रुप से सत्यापन करने में सक्षम बनाती है और कंप्यूटर पर निगरानी और दोष निदान की सुविधा मुहैया कराती है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं हैं:

- डिजिटल एक्सल काउंटरों की नवीनतम प्रणाली के साथ ब्लॉक सेक्शन की क्लीयरेंस अर्थात् ट्रेन के पूर्ण आगमन का पता लगाने की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। परिचालन के ऑटोमेशन के कारण ट्रेन परिचालन बहुत आसान, तीव्रतर और सुरक्षित हो जाता है।

- यार्ड में समपार फाटकों के परिचालन को मेकेनिकल से इलैक्ट्रिक किस्म में बदल दिया गया है जिससे लेवल क्रॉसिंग गेटों को बंद करने और खोलने की दक्षता को और बढ़ जाती है।

- जहां भी संभव हो, ट्रेनों के एकसाथ रिसेप्शन और डिस्पैच अलाउ हो जाने से यार्ड की ट्रेन हैंडलिंग क्षमता को बढ़ा दिया गया है। पूरी लंबाई वाली मालगाड़ी के ठहराव की अनुमति देने के लिए ठहराव लाइनों की लंबाई अर्थात् सीएसआर को बढ़ा दिया गया है जिससे ठहराव ट्रैक की क्षमता बढ़ जाती है।

- पॉवर सप्लाई सिस्टम को अत्याधुनिक एकीकृत पॉवर सप्लाई में अपडेट किया गया है जो पूरे यार्ड के लिए एक केंद्रीकृत पॉवर डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम है और पारंपरिक सिस्टम की तुलना में बहुत कम स्थान की आवश्यकता होती है। इस प्रणाली की स्टेशन मास्टर कार्यालय में उपलब्ध कराए गए इंडिकेशन पैनल के माध्यम से स्टेशन मास्टर द्वारा निगरानी की जा सकती है।

- सिगनलिंग सिस्टम ऑपरेशन डेटा का रिकॉर्ड रखने के लिए डेटा लॉगर उपलब्ध कराए गए हैं। यह डेटा सभी प्रकार की सिस्टम विफलताओं का विश्लेषण करने में सहायता करता है और इससे यार्ड में किसी भी असामान्य घटना या दुर्घटना के दौरान हुई घटनाओं का विश्लेषण करना भी संभव है।

- ट्रेन परिचालन के लिए सभी सिस्टम इस उद्देश्य लिए बनाए गए नए भवन में लगाए गए हैं। महत्वपूर्ण सिस्टम की सुरक्षा के लिए इस भवन में फायर अलार्म सिस्टम लगाया गया है।

- सभी स्टेशनों पर आरडीएसओ और रेलवे के नवीनतम निर्देश के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, यूनिवर्सल फेलसेफ ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट्स, उच्च उपलब्धता सिंगल सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर, एलईडी सिगनल, ट्रैक सर्किट, इलेक्ट्रिक पॉइंट मशीन, बैटरियाँ, अनुरक्षण मुक्त अर्थिंग, सर्ज प्रोटेक्शन डिवाइस,

फ्यूज अलार्म और चेंजओवर सिस्टम, अर्थ लीकेज डिटेक्शन सिस्टम आदि जैसे सिगनलिंग गियर के सभी हिस्से उपलब्ध कराएं गए हैं। ।

- कम रिले और एक्सेसरीज़ के कारण इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में अधिक विश्वसनीयता और सुरक्षा है।

- सेल्फ डायग्नोस्टिक तकनीक। सिस्टम में किसी भी विफलता को खोज लिया जाता है और पहचान कर लिया जाता है। दोषपूर्ण मॉड्यूल को तुरंत अतिरिक्त मॉड्यूल से बदला जा सकता है इसलिए इंस्टालेशन का डाउन टाइम कम हो जाता है।

इसके बारे में बात करते हुए, श्री पुनीत चावला, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, रेलटेल ने कहा, "रेलटेल भारतीय रेलों की एक विश्वसनीय दूरसंचार व सिगनलिंग शाखा है। ट्रेन परिचालन की संरक्षा और दक्षता में वृद्धि के लिए, पुराने मैकेनिकल सिगनलिंग प्रणाली को अत्याधुनिक मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम द्वारा बदलना आवश्यक है। यह सिस्टम बदलने का काम भारतीय रेलों पर एक सतत् प्रक्रिया है और रेलटेल इस सिस्टम परिवर्तन कार्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रेलटेल भारतीय रेलों की ट्रेन नियंत्रण प्रणाली को आधुनिक बनाने में भी कवच (KAVACH- ट्रेन टक्कररोधी सिस्टम- TCAS)के क्रियान्वयन के माध्यस से जो स्वदेश में विकसित ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटैक्शन (ATP) सिस्टम है, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का इरादा रखती है। इसे भारतीय रेलों के लिए लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन (एलटीई) आधारित हाई स्पीड मोबाइल कम्युनिकेशन कॉरिडोर पर क्रियान्वित करने का प्रस्ताव है।

रेलटेल के बारे में:

रेलटेल, रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक "मिनी रत्न (श्रेणी- I)" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जो देश के सबसे बड़े तटस्थ दूरसंचार अवसंरचना प्रदाताओं में से एक है, जिसके पास देश के कई कस्बों, शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों को कॅवर करने वाला एक अखिल भारतीय ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क है। ऑप्टिक फाइबर के 60000 मार्गकिलोमीटर से अधिक के एक मजबूत विश्वसनीय नेटवर्क के साथ, रेलटेल के पास दो इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)के पैनल वाले टियर III डेटा सेंटर भी हैं। अपने अखिल भारतीय उच्च क्षमता नेटवर्क के साथ, रेलटेल विभिन्न फ्रंटों पर एक नॉलेज सोसाइटी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है और इसे दूरसंचार के क्षेत्र में भारत सरकार की विभिन्न मिशन-मोड परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए चुना गया है। रेलटेल एमपीएलएस-वीपीएन, टेलीप्रेजेंस, लीज्ड लाइन, टॉवर को-लोकेशन, डाटा सेंटर सेवाएं आदि जैसी सेवाओं का एक समूह उपलब्ध कराती है। रेलटेल देशभर के रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक वाई-फाई उपलब्ध कराकर रेलवे स्टेशनों को डिजिटल हब में बदलने के लिए भारतीय रेलवे के साथ भी कार्य कर रही है और कुल 6100 स्टेशन रेलटेल के रेलवॉयर वाई-फाई के साथ लाइव हैं।

अधिक जानकारी के लिए,

sucharita@railtelindia.com